



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को टोक्यो (जापान) में निवेशकों की बैठक में भाग लिया। बैठक में उन्होंने दिसम्बर में आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में शामिल होने के लिये जापान के निवेशकों को आमंत्रित किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और राजस्थान के उद्योग-वाणिज्य विभाग के मुख्य शासन सचिव अजिताभ शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोक्यो में "राइजिंग राजस्थान" के रोड शो का नेतृत्व किया

जेट्रो, काई ग्रुप, निप्पोन स्टील ट्रेडिंग, हिताची, यामाशिता रबर, ई एंड एच प्रिसिजन, ताकाहाटा प्रिसिजन और अन्य जापानी फर्मों के साथ मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

टोक्यो, 11 सितंबर। "राइजिंग राजस्थान" ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दक्षिण कोरिया रोड शो के सफल आयोजन के बाद, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज जापान की राजधानी टोक्यो में निवेशकों की बैठक (रोड शो) में भाग लिया। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की यह जापान यात्रा जापानी व्यापार जगत को प्रदेश में निवेश के लिए और इस साल दिसंबर में आयोजित "राइजिंग राजस्थान" ग्लोबल इन्वेस्टमेंट 2024 में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए हो रही है। टोक्यो में आयोजित इस रोड शो को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने जापानी निवेशक समुदाय और उद्योगों को राजस्थान में निवेश करने और मौजूदा संबंधों को मजबूत करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, जापानी निवेशकों के लिए उपयुक्त व्यापारिक वातावरण प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की सफलता से स्पष्ट है, जहां अब तक 48 से अधिक जापानी कंपनियों ने लगभग 8.34

■ मुख्यमंत्री ने टोक्यो में नीमराणा दिवस समारोह में भाग लिया, उन्होंने कहा नीमराणा देश-विशिष्ट निवेश क्षेत्र के लिए एक मॉडल है। नीमराणा में कई जापानी कंपनियां हैं।

■ मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने अनिवासी राजस्थानी (एन.आर.आर.) समुदाय से भी मुलाकात की। समुदाय से जापान में राजस्थान के दूत की भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है और 26,000 से अधिक लोगों को रोजगार दिया है। यह "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक जीवंत उदाहरण है। इसकी सफलता से प्रेरित होकर, हमारी सरकार नीमराणा से करीब 20 कि.मी. दूर छिलोट में दूसरा जापानी निवेश क्षेत्र भी विकसित कर रही है। टोक्यो में हुई निवेशकों की इस बैठक में उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा ने जापानी निवेशकों के समक्ष राजस्थान में निवेश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी और राज्य की नई नीतियों और शासन प्रणाली में हो रहे परिवर्तन के बारे में बताया।

इसके अलावा, जापानी व्यापारिक समुदाय और राजस्थान राज्य के बीच साझेदारी को चिह्नित करते हुए रोडशो में नीमराणा दिवस समारोह भी आयोजित किया गया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में आज जापान की कुछ चुनी हुई कंपनियों के सी.ई.ओ. और बिजनेस लीडर्स के साथ लंच पर मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल ने जेट्रो, काई ग्रुप, निप्पोन स्टील ट्रेडिंग, हिताची, यामाशिता रबर, ईएंडएच प्रिसिजन,

ताकाहाटा प्रिसिजन सहित कई जापानी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

इन बैठकों में, मुख्यमंत्री ने राज्य में निवेश करने और जापान और राजस्थान के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रशंसा की। रोडशो के बाद, मुख्यमंत्री शर्मा ने टोक्यो में रहने वाले अनिवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय से भी मुलाकात की। ये वो लोग हैं, जो वर्तमान में जापान में रह रहे हैं, लेकिन उनकी जड़ें राजस्थान में हैं। मुख्यमंत्री ने अनिवासी राजस्थानियों के समुदाय से जापान में राजस्थान के दूत की भूमिका निभाने और अपने गृह राज्य में निवेश को सुविधाजनक बनाने में मदद करने का आह्वान किया।

जापान के दौर पर गए मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में राजस्थान सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग और वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और रीको और बीआईपी के अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हैं।

गहलोट सरकार अपने अंतिम दिनों में भी बाज नहीं आई एक और मैगा स्कैम से

ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट के तहत 9,600 करोड़ रुपये के टैण्डर आवंटित किये मेघा नामक कंपनी को

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अशोक गहलोट सरकार का एक बहुत बड़ा घोटेला, जो उनके पाँच वर्ष के कार्यकाल के बिल्कुल अन्त में हुआ था, गैर कानूनी एवं अनियमित तौर तरीकों को एक अन्तही मिसाल है। जिस कंपनी को यह ठेका दिया गया था, उसे खुश करने में मुख्यमंत्री हद से ज्यादा झुक गए थे। शुद्धि पत्रों में वित्तीय तथा तकनीकी - दोनों ही प्रकार के बड़े-बड़े बदलाव किए गए, और इसका नतीजा यह हुआ कि जो शर्तें रखी गई थीं, उन पर राज्य सरकार ने स्वयं समझौते किए।

संदर्भित कम्पनी का नाम "मेघा" है तथा इस कम्पनी की खास बात यह है इसने भाजपा को अधिकतम इलेक्टोरल बॉन्ड्स दिए हैं। तीन निविदाओं की कुल राशि - ₹.7788 करोड़ निविदा में भरी राशि - ₹.10571 करोड़ आर्डर फाइनल हुआ - ₹.9600 करोड़

यह पूर्ण राजस्थान नहर परियोजना से संबंधित है। "राजस्थान के कोटा एवं बारां जिलों में रामगंधत बैराज, महलपुर बैराज, नवनीरा पम्प हाउस, मुख्य

■ इस कम्पनी को राजी रखने के लिये गहलोट सरकार उल्टी लटक गई। कम्पनी को लाभ व सुविधा प्रदान करने के लिये राज्य सरकार ने, टैण्डर की शर्तों में तीन बार परिवर्तन किया, कोरिजेंडम जारी करके। उदाहरण के लिये, एक कोरिजेंडम जारी करने मेघा कम्पनी पर, सी.ए. व बैंक द्वारा सत्यापित दस्तावेज ही टैण्डर के साथ देने की शर्त हटा दी।

■ मजे की बात है कि मेघा कम्पनी ने सबसे ज्यादा इलैक्टोरल बॉण्ड्स खरीद के दिये थे भाजपा को। क्या इसी कारण अब ज्यादा नहीं उछाला जा रहा नयी सरकार में भी।

नहर को डिलीवरी सिस्टर्न तक पहुँचाना तथा हाईब्रिड वार्षिक मॉडल पर 10 वर्ष के ओ. एण्ड एम. (आपरेशन एवं मैनटेनेंस) के साथ डिलीवरी सिस्टर्न का निर्माण।

सम्बन्धित मन्त्री थे महेंद्र जीत मालवीय, जो अशोक गहलोट के बहुत निकट माने जाते थे। समझा जाता है कि उन्होंने सब कुछ अशोक गहलोट के निर्देशानुसार किया था। रोचक बात यह है कि वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। क्या इसी कारण भाजपा इस इतने

बड़े घोटेले के बारे में कुछ नहीं बोल रही है? मालवीय ने, कम्पनी को लाभ पहुँचाने के लिए जारी किए गए शुद्धि-पत्रों के जरिए, "मेघा" कम्पनी को अनेक लाभ पहुँचाए। गहलोट सरकार ने बिडर द्वारा सी.ए. द्वारा प्रमाणित तथा बैंक द्वारा प्रमाणित दस्तावेजों का प्रावधान हटा दिया था। इसके बाद, बिडर स्वयं के हस्ताक्षर युक्त अपना ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकता था तथा बैंक सॉल्वेन्सी के किसी बाहरी प्रमाण पत्र को आवश्यकता नहीं रही थी।

क्या अमेरिका हरियाणा के चुनाव में रुचि ले रहा है?

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में एक विचित्र घटना घटी। रात के 2 बजे, किसान संगठनों के एक दर्जन नेता गुप्त मीटिंग के लिये अमेरिकन दूतावास में जाते हुए देखे गए तथा डेढ़ घंटे के बाद बाहर आये। इनमें हरियाणा, पंजाब तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान नेताओं के अलावा कुछ

■ सूत्रों से पता चला है कि हरियाणा के कुछ किसान नेता पंजाब व उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों के साथ एक सप्ताह रात 2 बजे अमेरिकी दूतावास गए थे।

कम्यूनिस्ट नेता भी शामिल थे। दूतावास में प्रवेश करते समय उनके चेहरे ढके हुये थे। चाणक्यपुरी की खुफिया एजेंसियों को जब ये लोग संदिहास्पद लगे तो उन्होंने इन नेताओं पर नजर रखी तथा उनके बाहर आने के बाद उनका पीछा किया। ये सभी लोग छतरपुर के एक फार्म हाउस में जाते देखे गए।

गुप्तचर अधिकारियों ने उनकी पहचान की तथा इस घटना की सूचना (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उचित शिक्षा के लिए "अनफिट" हैं मदरसे'

नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एन.सी.पी.सी.आर.) ने कहा है कि मदरसे बच्चों, जो वहाँ पढ़ते हैं, को अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उनके काम करने के स्टैंडर्ड पाठ्यक्रम व कार्यशैली का सर्वथा अभाव है।

सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर एन.सी.पी.सी.आर. ने यह बात कही और यह भी कहा कि राइट टू एजुकेशन (आर.टी.ई. एक्ट, 2005 के भाग 2(न) के तहत स्कूलों की जो परिभाषा है, उसके अनुसार मदरसे स्कूल नहीं हैं और वे वाजिब शिक्षा के लिए सही स्थान नहीं हैं। इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बच्चा जो ऐसा संस्था में शिक्षा प्राप्त करता है, वो स्कूल में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम के मूल ज्ञान से वंचित रह जाता है।

इसमें आगे कहा गया है कि मदरसे

■ आयोग ने कहा कि चूंकि मदरसा राइट टू एजुकेशन कानून में परिभाषित स्कूल के दायरे में नहीं आते हैं इसलिए इनमें पढ़ने वाले बच्चे इस कानून के तहत दी जाने वाली सुविधाओं से भी वंचित रह जाते हैं।

■ आयोग ने कहा कि मदरसे ममाने तरीके से चलते हैं और वे अन्य स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम का इस्तेमाल भी नहीं करते हैं।

मनमाने तरीके से काम करते हैं और संवैधानिक प्रावधानों और आर.टी.ई. एक्ट तथा जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 के प्रावधानों के खिलाफ है, एन.सी.पी.सी.आर. ने कहा कि मदरसों की तीन श्रेणियाँ हैं, मान्यता प्राप्त मदरसे, गैर मान्यता प्राप्त मदरसे और अज्ञात मदरसे। ये वे मदरसे हैं जिन्होंने राज्य सरकार से मान्यता के लिए कभी भी आवेदन नहीं किया। एन.सी.पी.सी.आर. ने कहा है, "बच्चे जो ऐसी संस्थाओं में भर्ती होते हैं, जो मान्यता प्राप्त नहीं (अनरिकग्नाइज्ड) हैं, क्योंकि ये नियोजित एवं व्यवस्थित नहीं (अनमैड) होती हैं, तथा ऐसी संस्थाओं की संख्या भी ज्ञात नहीं है। इसलिए, ये संस्थाएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रही हैं या नहीं, इसके साथ ही, इन संस्थाओं द्वारा बच्चों को दिए जा रहे माहौल की कोई जानकारी भी उपलब्ध नहीं होती है। इस प्रकार की (अनरिकग्नाइज्ड तथा /अथवा अनमैड) में पढ़ने वाले बच्चों को "स्कूल न जाने वाले बच्चे" (आउट ऑफ स्कूल) माना जाना चाहिए, भले ही उन्हें नियमित शिक्षा दी जा रही हो।" इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस साल मार्च में "उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट, 2004 को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खुली जेल में अस्पताल प्रोजेक्ट पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर

जयपुर, 11 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगरने स्थित देश की पहली खुली जेल की जमीन पर अस्पताल बनाए जाने के मुद्दे को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाती है तो सीएस भी वहाँ रहने का पहला अनुभव लेंगे।

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ाया तो मुख्य सचिव को भी इसमें रहने जाना पड़ सकता है।

जस्टिस बी.आर. गवई व के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने यह टिप्पणी प्रसून गोस्वामी की अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की। प्राथी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज ने खंडपीठ को बताया कि अदालत ने 17 मई 2024 को आदेश (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, कमला हैरिस ने डॉनल्ड ट्रम्प को अच्छी तरह पछाड़ा, प्रथम टी.वी. डिबेट में!

पोलिटिको, एक जाना माना न्यूज प्लेटफार्म, व न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, पूरी "डिबेट" में कमला हैरिस ट्रम्प पर छापी रहीं

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अमेरिकन मीडिया ने डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी कमला हैरिस को रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रम्प के साथ बहस में बहुत दी है। जुलाई में हुई बहस में जो बाइडन काफी जुझते हुए नजर आए थे, इसके विपरीत फिलाडेल्फिया में हुई डिबेट में कमला हैरिस काफी गरिमापूर्ण और फोकस्ड नजर आईं।

ए.बी.सी. न्यूज, जिसने वह डिबेट आयोजित की थी, में ट्रम्प ने

हैरिस पर बहुत प्राप्त करने के लिए गलत जानकारी व "षड्यंत्र" रचने की बातें कही, पर उन्हें सफलता नहीं मिली। ए.बी.सी. के अनुसार, जब हैरिस ने सटीक प्रश्न पूछे तो ट्रम्प जल्दी ही रक्षात्मक मुद्रा में आ गए। एक स्वतंत्र न्यूज प्लेटफॉर्म "पॉलिटिको" ने हैरिस को विजेता घोषित कर दिया और कहा कि उन्होंने बार-बार ट्रम्प का संतुलन बिगाड़ दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा बहस में अधिकतर हैरिस हावी रहीं। उन्होंने वकालत की क्षमता का उपयोग कर ट्रम्प को

■ सी.एन.एन. के अनुसार, हैरिस ने डिबेट के दौरान, बार-बार ट्रम्प को उकसाया और वे बार-बार हैरिस के शब्द जाल में फँसते चले गये।

■ डिबेट के बाद हैरिस ट्रम्प के आगे निकल गयीं, लोकप्रियता की रेटिंग में।

■ अगर यह क्रम चलता रहा तो, कमला हैरिस अमेरिका की प्रथम महिला राष्ट्रपति बन सकती हैं।

रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया। हैरिस द्वारा बाइडन प्रशासन का बचाव करने की बजाय ट्रम्प खुद के कार्यकाल में लिए

गए फैसलों को उचित ठहराते हुए देखे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि ट्रम्प काफी दयनीय दिखे।

वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा कि ट्रम्प कई बार तथ्यों से भटके और 2020 के चुनावों और इमिग्रेशन के बारे में झूठे दावों का सहारा लेते दिखे। हैरिस ने ट्रम्प पर आरोप लगाया गया कि वे झूठ और निजी शिकायतों से भरो पुरानी थकी हुई प्लेबुक को ही बार बार झाड़ पोंछकर पेश कर रहे हैं तथा उनके पास अमेरिका के लोगों के लिए कोई असली प्लान नहीं है।

सी.एन.एन. ने कहा कि हैरिस ने जो भी बातें कहीं, ट्रम्प हर बात में उनमें उलझते दिखे। सी.एन.एन. ने कहा कि हैरिस पूरी तरह से तैयार थीं और उन्होंने

ट्रम्प को उकसाने की रणनीति पर बखूबी अमल किया। ट्रम्प बार-बार आप खोते हुए नजर आए। सी.एन.एन. ने कहा कि ट्रम्प ने यहां तक कह दिया कि प्रवासी लोग अमेरिकन लोगों के पालतू जानवर को खा जाते हैं।

फॉक्स न्यूज ने संतुलन बनाने की कोशिश की, पर उसका सारा जोर इस पर रहा कि "फेक्ट चैक" पर ट्रम्प ए.बी.सी. के मॉडरेटर्स से उलझते रहे। दोनों प्रत्याशियों की यह पहली डिबेट थी, जो टी.वी. पर आई थी। शुरु में ट्रम्प आगे दिख रहे थे, पर बाद में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रेमिका के पति के हत्यारे को आजीवन कारावास

जयपुर, 11 सितंबर। जिले के सत्र न्यायालय ने प्रेमिका के पति की हत्या करने वाले युवक राकेश सैनी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीस वर्षीय इस अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना

■ सत्र न्यायालय ने आरोपी राकेश सैनी को दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

भी लगाया है। वहीं, अदालत ने मृतक की पत्नी पूजा देवी को दोष मुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियुक्त का पूजा देवी से संबंध होना प्रमाणित है, लेकिन अभियुक्त पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि पूजा ने अपराध में राकेश (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वह जो अपने प्रियजनों से अत्यधिक जुड़ा हुआ है। उसे चिंता और भय का सामना करना पड़ता है। क्योंकि सभी दुःखों की जड़ लगाव है। इसलिए खुश रहने के लिए लगाव छोड़ दीजिये। -चाणक्य सुविचार

बंपर बारिश से खुशहाली की बयार के साथ खेत-खलिहान को नुकसान

राजस्थान में चालू मानसून में भारी बारिश से जहाँ भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में खुशी की लहर देखी जा रही है वहीं फसलों को नुकसान पहुँचने से किसानों के चेहरों पर चिंता से भजन लाल सरकार भी चिंतित है। राज्य सरकार किसानों की क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजा देने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री भजन लाल के निर्देश पर मंत्रोगण जिलों का दौरा कर भारी वर्षा और अतिवृष्टि से फसलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए नुकसान का ब्यौरा एकत्रित कर रहे हैं। सरकार कृषि विभाग के अधिकारियों से प्रदेश में हो रहे नुकसान का फीडबैक ले रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार ने राजस्व विभाग के माध्यम से एक पखवाड़े पहले ही गिरदावरी के लिए कह दिया था। एक सितंबर से प्रदेश में गिरदावरी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई ताकि किसान को कितना नुकसान हुआ हुआ है तथा किसको कितना उसको मुआवजा देना है, इसका निर्धारण हो पाए। प्रदेश में तीन इश्योरेंस कंपनियों काम कर रही है जो जाँच पड़ताल कर किसानों के नुकसान की भरपाई की कार्यवाही में जुटी है। किसान आयोग अध्यक्ष ने अतिवृष्टि से फसलों में हो रहे खराबे पर चिंता जाहिर की है। किसान आयोग अध्यक्ष ने कहा है कि किसानों की पीड़ा को जानती है और खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं। किसान आयोग के मुताबिक प्रदेश में लगातार हो रही बरसात से सब तरफ खुशी का माहौल है। आने वाले समय में पेयजल और सिंचाई के पानी की समस्या का समाधान हो रहा है। अत्यधिक बरसात से फसलों में खराबी भी सामने आ रही है। सरकार फसलों में हो रहे खराबी से चिंतित है।

राजस्थान में चालू मानसून में सर्वत्र बंपर वर्षा से खेत-खलिहान से लेकर पेयजल की कमी वाले क्षेत्रों में खुशी की लहर है। हालाँकि अतिवृष्टि और बाढ़ से जन जीवन अस्त व्यस्त होने के साथ जानमाल के नुकसान की जानकारी भी मिली है। इसके बावजूद किसानों का कहना है हमारी नदियों और अन्य स्रोतों में पानी की अच्छी आवक होने से भूमिगत जलस्तर में आशातीत रूप से वृद्धि हुई है। अनेक नदियाँ वर्षों से सूखी पड़ी थी, उनमें भी पानी आया है।

भूजल स्तर में वृद्धि होने से डार्क जोन क्षेत्रों के कुओं, हैंडपम्पों और टयूबवेल सहित अन्य स्रोतों में पानी आने से पेयजल की किल्लत खत्म होने के आसार हैं। प्रदेश के लगभग सभी बांध पानी से लबालब भर गए हैं जिससे सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में अच्छी मदद मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस से पचास वर्षों की अवधि में सूखे की मार झेल रही अनेक जिलों की नदियों में पानी की आवक से लोगों के चेहरों पर खुशी देखी जा रही है। मानसून ने पिछले 50 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है पानी की अच्छी आवक से भूमिगत जलस्तर 15 प्रतिशत तक रिचार्ज होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में चालू मानसून में अब तक औसत से 62 प्रतिशत ज्यादा

अर्थात 650 मि.मी. बारिश हो चुकी है। बारिश ने वर्षों पचास के बाद प्रदेश में यह नया रिकार्ड बनाया है। अभी मानसून खत्म नहीं हुआ है और यह आँकड़ा अभी और बढ़ेगा। मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश के साढ़े तीन सौ से अधिक बांध पानी से लबालब भर चुके हैं। अत्यधिक पानी की आवक से लगभग 200 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। प्रदेश के सभी 691 बांधों में 85 प्रतिशत पानी आ चुका है और यह क्रम अनवरत चालू है। बांधों में पानी की अच्छी आवक से अगले एक साल तक पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

राज्य में नदी, नालों, तालाबों, झीलों, कुओं और बांधों में पानी की अच्छी आवक से भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में खुशी की लहर देखी जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक भूजल स्तर को फिर से जीवित करने में वर्षा जल मदद करता है। पेयजल का मुख्य स्रोत भूगर्भ जल ही है। भूजल वह जल होता है जो चट्टानों और मिट्टी से रिस जाता है और भूमि के नीचे जमा हो जाता है। जिन चट्टानों में भूजल जमा होता है, उन्हें जलभूत कहा जाता है। भारी वर्षा से जल स्तर बढ़ सकता है और इसके विपरीत, भूजल का लगातार दोहन करने से इसका स्तर गिर भी सकता है।

गौरतलब है राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान रेतीला, बंजर, पर्वतीय और उपजाऊ कच्छारी मिट्टी से मिलकर बना है। राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण आधारित है। कृषि और पशु पालन यहाँ के निवासियों के मुख्य रोजगार है। वर्षा की अनियमितता के कारण यह प्रदेश अनेकों बार सूखे और अकाल का शिकार हुआ। मगर प्रदेशवासियों ने विपरीत स्थितियों में भी जीना सीखा और अपने बुलन्द हौसले को बनाये रखा।

राजस्थान अपनी जल-जकूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों निजी कुओं के निर्माण से भूजल के दोहन में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा खेती में सिंचाई भूजल के माध्यम से होती है। जिसके परिणामस्वरूप भूजल में गिरावट आई है। भू-जल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं होने से संकट बढ़ रहा है। घटते भू-जल के लिए सबसे प्रमुख कारण उसका अनियंत्रित और अनवरत दोहन है। इस वर्ष चालू मानसून में अनेक ऐसी नदियों और तालाबों में पानी आने के समाचार भी मिल रहे जो वर्षों से सूखे की मार झेल रहे थे। भूजल खेती और सिंचाई के कार्य में बहुतायत से उपयोग में आता है।

'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्को 2023' शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय-पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान की एक रिपोर्ट में बताया गया है, भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और टयूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। रिपोर्ट के अनुसार देश में कृषि के लिए लगभग 70 प्रतिशत भूजल का उपयोग किया जाता है। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा यूजर है, जो यूएसए और चीन के कुल उपयोग से भी अधिक है। भारत का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र देश की बढ़ती 1.4 अरब आबादी के लिए रोटी की टोकरी के रूप में काम करता है।

-अतिथि सम्पादक, बाल मुकुंद ओझा, वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

भारत के संविधान के होते हुए, क्या सार्थकता है मनु स्मृति पर यदा-कदा की निरर्थक बहस का?



महावीर सिंह

भारत एक संवैधानिक राष्ट्र है। इसका शासन संविधान के अनुसार चलता है। हमारा संविधान उन मानवीय मूल्यों पर आधारित है जिनको बीच में रख कर स्वतंत्रता का आंदोलन चला और अंततोगत्वा भारत वैसा राष्ट्र बना जैसा ज्ञात इतिहास में पूर्व में कभी नहीं था। कैबिनेट मिसन के प्रावधानों के अनुसार 1946 संविधान निर्मात्री सभा का गठन हुआ। इस सभा में स्वतंत्रता के जंग में शामिल सभी संगठनों, विभिन्न समुदायों के 229 व देशी रियासतों के भी 70 प्रतिनिधि थे। कुछ संगठन जो आजादी की लड़ाई के प्रति उदासीन थे उनके भी कुछ-कुछ प्रतिनिधि थे। इस प्रकार की जनता की संविधान निर्मात्री सभा में हर मुद्दे पर व्यापक बहस के बाद संविधान तैयार किया जिसके अनुसार गत 74 साल से भारत का शासन चल रहा है। इस संवैधानिक व्यवस्था से आम लोगों की बहुत सी आकांक्षाएँ पूरी हुईं, कुछ नहीं भी हुईं।

पुराने राजाओं की राज व्यवस्थाओं में कुल मिलाकर एक राजा व उसके द्वारा बनाए मंत्री मंडल द्वारा ही शासन का संचालन होता था। ऐसे मंत्री मंडलों में अधिकांशतः उच्चवर्णों के लोग ही होते थे। ऐसे लोगों के मंत्रिमंडल के निर्णय उन्हीं वर्गों के हितों को सर्वोपरि रख कर होता था। निःसन्देह पूर्व में भी कुछ अच्छे राजा हुए यथा अशोक महान, हर्षवर्धन व उत्तर-दक्षिण के गुप्त सम्राज्य के राजा, दक्षिण के कुछ चोल और कुछ अन्य। अब जनता द्वारा चुनी संसद कानून बनाती अर्थात् राजा के अधिकार जनता में हैं। जनता के चुने हुए लोग ही संसद द्वारा अनुमोदित कानूनों, नीतियों की अनुपालन करते, करते हैं। अब मनुस्मृति लिखी बातों के लिए कोई स्थान है ही नहीं तो फिर यदा कदा मीडिया में अर्थहीन डिबेट क्यों चलती है? वर्तमान में मनुस्मृति का पठन-पाठन, चर्चा, कानूनी विद्वानों, विद्यार्थियों, वकीलों के लिए यह समझने के लिए तो हो सकता है कि समाजों में कानून की क्यों आवश्यकता है और विभिन्न ऐतिहासिक काल खंडों में विभिन्न स्थितियों के कानून कैसे-कैसे बने व उनमें समय-समय पर क्या और क्यों बदलाव हुए हैं। इस से अधिक इसका कोई महत्व नहीं।

मनु स्मृति में बहुत से श्लोक मनुष्यों के आपसी रिश्तों, व्यवहार में शिष्टाचार, जन्म, शादी, श्राद्ध से सम्बंधित हैं। इन में से अधिकांश में कोई आपत्ति वाली बात नहीं है। आपत्ति केवल इतनी है यह सारे श्लोक केवल

तीन उच्च वर्णों के कार्यों में ही उपयोग में लिए जाते हैं। शुद्र वर्ग के लिए नहीं। इस से यह झलक मिलती है कि तत्समय शुद्र वर्ग के लिए सेवा आदि कार्य तो निर्धारित थे किन्तु उन्हें उच्च तीन वर्गों वाले समाज से अलग-थलग ही रखा गया। आइए जरा मोटे रूप से देखें यह मनुस्मृति है क्या? यह एक पुरानी विधि संहिता है। कितनी पुरानी है पुराना रूप से कोई कुछ नहीं कह सकता। कुछ इसे 2, 5 से 10 हजार साल पुरानी बताते हैं। कुछ तो इसे सृष्टि के सृजन के साथ जोड़ने में भी नहीं हिचकिचाते। उनके अनुसार मनु ब्रह्मा के पुत्र हैं। कुछ लोग कल्पना मीडिया है कि हर युग-कल्प में एक मनु होता है जो समाज को व्यवस्थित ढंग से चलावे के नियम-कायदे बनाते और लिखते हैं। मनुस्मृति में कुल श्लोक कितने हैं, इस पर भी मतभेदता है। भिन्न-भिन्न लोग 2500 से 3000 तक श्लोक मानते हैं। मनुस्मृति कितनी है इस पर भी एक राय नहीं। नारद स्मृति, पराशर स्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति आदि भी चलन में हैं। कुछ अन्य स्मृतियों में भी समाज के लिए नियम कायदे बताए हैं। जैसे तो ब्रिटिश हुकूमत के समय ही मनुस्मृति के विपरीत कानून बनने शुरू हो गए थे जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम या 1834-35 के पश्चात् सभी वर्गों लोगों के लिए शिक्षा प्राप्ति के लिए सुविधाओं का विस्तार व समानता आदि। फिर समय-समय पर इस विषय की क्यों चर्चा में लाया जाता है? मनुस्मृति पर पहला मुद्दा विरोध डॉक्टर बीआर अम्बेडकर ने शुरू

किया। उन्होंने 25 दिसम्बर 1927 को सार्वजनिक रूप से मनुस्मृति को जलाया। जनता के समक्ष यह विषय रखा कि मनुस्मृति में महिलाओं व वंचित दलित वर्गों के लिए अत्यंत विभेदकारी, गैर बराबरी वाली व परस्पर विरोधी बातें लिखी हैं। बहुत से दण्ड प्रावधान भी वर्ग के अनुसार अलग-अलग हैं। उनके अनुसार शिक्षा के प्रसार से नवचेतना आई है और मनुस्मृति जैसी पुरातन कानून संहिताओं के लिए आधुनिक, प्रगतिशील समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

भारत का संविधान 16 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ और 30 नवम्बर 1949 के ऑर्गनाइजर में नव निर्मित संविधान को मनुस्मृति के अनुसार न होने के विन्दु पर आलोचना छपी। आलोचना के मुख्य बिन्दु थे कि संविधान में प्राचीन भारत की संवैधानिक विकास यात्रा, संस्थाओं, शब्दवलीयों का बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया। मनुस्मृति की सारे संसार में तारीफ की जाती है जो भारतीय हिंदुओं को सहज स्वीकार्य है। कुछ लोग तो यहां तक बोल देते हैं कि हिंदुओं को अंग्रेजों के 200 साल के शासन में उतना नुकसान नहीं हुआ जितना संविधान के कारण हुआ है। तलाक (डिवोर्स कानून) प्रावधानों पर भी ऑर्गनाइजर में एक असहमति वाली टिप्पणी छपी थी। कुछ आगे बढ़ते हुए मनुस्मृति में दिए प्रलय, ब्रह्मा, सृष्टि सृजन व कुछ विवादस्पद श्लोकों में से कुछ पर चर्चा कर विषय पर कुछ और स्पष्टता लाएं:-(आगे

सम्बंधित श्लोक ब्रेकेट में लिखे हैं, पहला अंक अध्याय दशांता है और डॉट के बाद की संख्या श्लोक संख्या है।) इस ग्रन्थ के प्रथम अध्याय में ध्यान लीन बैठे मनु जी ने, महर्षियों के आग्रह पर, मनुस्मृति का ज्ञान उनको दिया। श्लोक 1.61 के अनुसार सृष्टि रचना के बाद सबसे पहले मनुस्मृति धर्म शास्त्र बना। श्लोक 1.62 के अनुसार मनु ने कहा कि भृगु ने उनके द्वारा ज्ञान अर्थात् मनुस्मृति को प्रकट किया और स्मरण कर लिया। मनु के अनुसार आगे से भृगु ऋषि ही यह ज्ञान सब को सुनाएंगे। इसका अर्थ हुआ कि वर्तमान में जो मनुस्मृतियाँ बाजार में उपलब्ध हैं उनमें मनु जी के मूल श्लोकों के साथ-साथ, श्रवण करने वालों के स्मरण व उनकी व्याख्या, समझ, ज्ञान, सृजन का भी मेल जरूर होगा। श्रुति आधारित मनु स्मृतियों को बहुत बाद में लिखित रूप दिया गया है। प्रथम अध्याय में ही चार वर्णों के सम्बंध में लिखा है। श्लोक संख्या 1.2 के अनुसार ऋषियों ने मनु के समक्ष इच्छा व्यक्त की थी कि उन्हें चार वर्णों के कर्मों के बारे में बताएं। प्रलय का जिज्ञा है 1.7 में और 1.10 के अनुसार सृष्टि का सृजन ईश्वर की इच्छा मात्र हुआ है। 1.11 के अनुसार ईश्वर ने जल में बीज छोड़ा जो एक तीव्र प्रकाश वाले अंडे में परिवर्तित हुआ और उस में से हजारों साल बाद ब्रह्मा निकले। ब्रह्मा ही ब्रह्म है।

शेष अगले अंक में..... -महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

गणेश उत्सव ने आमजन को स्वराज और एकता का संदेश दिया



गोविन्द पारीक

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने ब्रिटिश हुकूमत द्वारा धरा 144 के कड़े कानून से व्याप्त भय को खत्म कर इस कानून का विरोध करने के

लिए सार्वजनिक रूप से भाद्रपद मास की चतुर्थी से चतुर्दशी तक गणेश उत्सव मनाने की शुरुआत की। अतः भारत की स्वराज प्राप्ति में भगवान गणेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीयों में अंदरूनी रूप से चल रही स्वराज की धारणा को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अंग्रेजों ने वर्ष 1894 में धारा 144 का नया कानून लागू किया। इस कठोर कानून वहत किसी भी स्थान पर 5 से अधिक भारतीय एकत्रित नहीं हो सकते थे। इसके उल्लंघन पर कोड़े मारने का कठोर दण्ड था। सनातन परंपरा में भगवान गणेश को प्रथम पुत्र्य देवता माना जाता है। पुरातन काल से

ही गणेश जी के जन्मोत्सव के रूप में भाद्रपद मास की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी का अयोजन किया जाता था। सात वाहन, राष्ट्रकूट तथा चालुक्य वंश के काल में भी गणेश जन्मोत्सव मनाने के प्रमाण मिलते हैं। छत्रपति शिवाजी ने इसे राष्ट्रधर्म और संस्कृति से जोड़ दिया। गणेशजी पेशवाओं के कुलदेवता थे। पेशवाओं ने गणेश उत्सव को व्यापक स्तर पर मनाया प्रारंभ किया। उत्सव के दौरान प्रतिदिन तिलक आमजन में जोश भरने के लिए बड़े क्रांतिकारियों को आमंत्रित करते थे। बंगाल के सबसे बड़े नेता विपिन चन्द्र पाल 20 अक्टूबर को तथा 21 अक्टूबर

को उत्तर भारत के लाला लाजपत राय वहां पहुंचे। अगले वर्ष 1895 में पुणे में 11 गणपति स्थापित किए गए। यह संख्या बढ़ते हुए वर्ष 1896 में 31 और वर्ष 1897 में 100 तक पहुंच गई और कालान्तर में यह संख्या लगातार बढ़ती गई। गणपति उत्सव का आयोजन कालांतर में मुंबई, नागपुर, अहमदनगर आदि अनेक शहरों में किया जाने लगा। पुणे से प्रारंभ हुआ दस दिवसीय गणेश उत्सव अब विश्व के अनेक देशों में अत्यंत उत्साह, उमंग और उत्सास से मनाया जाता है। मान्यता है कि इन 10 दिनों तक भगवान गणेश पृथ्वी पर ही रहकर भक्तों के कष्टों को दूर करते हैं।

-गोविन्द पारीक, अतिरिक्त निदेशक, से.नि. जनसंपर्क

बाबा भर्तृहरिनाथ के मेले में करीब सात लाख श्रद्धालु पहुंचे

अलवर, (निर्स)। अलवर के लोकदेवता बाबा भर्तृहरिनाथ का तीन दिवसीय मेला अपने अन्तिम पड़ाव की ओर है। बुधवार को अलवर में जिले में घर-घर बाबा भर्तृहरि की ज्योत देखी गई। वहीं तीन दिवस के दौरान करीब 6 से 7 लाख श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा भर्तृहरिनाथ के दर्शन कर अपनी मन्नत मांगी। इस लक्ष्मी मेले में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने साथ मिलकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी। दूसरी ओर भर्तृहरि मंदिर के पुजारियों द्वारा एवं अन्य साधुओं के आश्रमों द्वारा हजारों लोगों के भोजन के लिए अदृष्ट भण्डारों का आयोजन किया गया।

हर साल भाद्र पक्ष की अष्टमी के दिन यहां लक्ष्मी मेले का आयोजन किया जाता है जिससे माधोगढ़ ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित करवाया जाता है। यहां पर उल्लेखनीय है कि बाबा भर्तृहरि का मेला सधन जंगल में आयोजित होता है और लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस की सूझबूझ के चलते अपराधी मेले में कम ही पहुंचते हैं, फिर भी छुटपुट



बाबा भर्तृहरिनाथ के मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मन्नत मांगी।

अपराध होना इतने बड़े मेले में मान्य नहीं रखते। मेले में बंडारों का आयोजन मंदिर ट्रस्ट सहित वहां साधुओं के आश्रमों द्वारा संचालित होते हैं जहां लाखों की संख्या में बाबा के भक्त और मेलार्थी प्रसादी पाते हैं। यहां संतोषनाथजी के आश्रम में बाबा सोमवार नाथ द्वारा तीन दिन देसी घी

- मंदिर के पुजारियों एवं अन्य साधुओं के आश्रमों द्वारा भक्तों के लिए भण्डारों का आयोजन हुआ
- तीन दिन में लाखों श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जहां बाबा भर्तृहरिनाथ के दर्शन कर अपनी मन्नत मांगी

चालू करने पर श्रद्धालु नाहर सिंह मीणा उपखंड रेणी का फोन आया और महंतजी ने फोन को रिसीव कर उनको अपना परिचय दिया। महंतजी ने कहा कि आपका मोबाइल मंदिर परिसर में है आप आ जाइए आपको मोबाइल दे दिया जाएगा। अलवर के नाहर सिंह मीणा दूसरे दिन जब भर्तृहरि मंदिर पहुंचे तो महंत जी के द्वारा ईमानदारी का परिचय देते हुए 30 हजार रुपये का मोबाइल दो रुपये नगद तथा मोटरसाइकिल के कागज सौंपे गए।

जी महाराज के मेले में आए हुए श्रद्धालु का मंदिर में दर्शन के दौरान मोबाइल गिर गया। महन्त पदम नाथ पुजारी को मोबाइल मिला वह मोबाइल स्विक हो आफ बलाया गया लेकिन महंतजी के द्वारा मोबाइल को घर ले जाकर चार्ज किया और उस मोबाइल को



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल

गुरुवार 12 सितम्बर, 2024

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 9:53 तक, आयुष्मान योग रात्रि 10:41 तक, बालव कर्ण दिन 11:40 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरु-वृष, शुक-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रविवोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज श्री हरि जयन्ती, श्री चन्द्र नवमी, अदु-ख नवमी, तल नवमी है। आज से भागवत सप्ताह आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:47 तक, चर 10:31 से 12:23 तक, लाभ-अमृत 12:23 से 3:27 तक, शुभ 5:00 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:32

मेघ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वसन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वसन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यक्तिगत परेशानियों दूर होने लगेंगी। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

मकर
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोस से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

करौली जिले में मानसून फिर सक्रिय, पांचना बांध के तीन गेट खोले

पांचना बांध के तीन गेट खोलकर 3936 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है

करौली, (निस)। करौली जिले में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। बुधवार प्रातः जिला मुख्यालय पर करीब 3.4 एमएम (सवा इंच) बारिश दर्ज की गई है। क्षेत्र में रुक-रुककर हो रही बारिश से पांचना बांध में भी पानी की आवक बढ़ी है। बांध के तीन गेट खोलकर 3936 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार जिले के सबसे बड़े बांध पांचना से गत आठ अगस्त से लगातार पानी की निकासी की जा रही है। हालांकि बांध से कभी कम तो कभी ज्यादा पानी की निकासी की जा रही है। जिसके चलते गंधीर नदी भी लगातार बह रही है। बाद में पानी की निकासी घाटा दी गई। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिन क्षेत्र में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी दी

■ करौली क्षेत्र में रुक-रुककर हो रही बारिश से पांचना बांध में भी पानी की आवक बढ़ी

■ करौली जिला मुख्यालय पर करीब 3.4 एमएम (सवा इंच) बारिश दर्ज की गई

है। करौली जिले में 15 जून से अब तक औसत से दोगुनी से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। जिले में करीब 1331.3 एमएम बारिश दर्ज हुई है जो औसत बारिश से दोगुनी से अधिक है। जिले में मानसून सत्र में बारिश का

औसत 596 एमएम है। इसी तरह पांचना बांध कि कुल भराव क्षमता 2100 एमसीएफटी है, जबकि बांध से 7500 एमसीएफटी से अधिक पानी की निकासी हो चुकी है। जल संसाधन विभाग के अधीनस्थ अधिकारी सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि मंगलवार प्रातः आठ बजे से बुधवार प्रातः आठ बजे तक सपोटरा में 5 एमएम, कालीसिल बांध पर 11 एमएम, हिंडौन में 5 एमएम, जगर बांध पर 14 एमएम, नादौली में 1 एमएम, करौली में 3.4 एमएम, पांचना बांध पर 4 एमएम तथा मंडरायल में 9 एमएम बारिश दर्ज हुई है। जिले में अब तक सर्वाधिक बारिश करौली में 1832 एमएम तथा सबसे कम मंडरायल में 688 एमएम दर्ज की गई है।



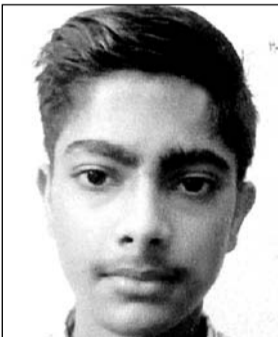
करौली जिले के सबसे बड़े बांध पांचना से पानी की निकासी की जा रही है।

बनास नदी में नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत

नहाते समय दोनों भाई गहरे पानी में चले गए और उनकी सांसें फूल गई थी

टोंक, (निस)। टोडारयसिंह थाना क्षेत्र से गुजर रही बनास नदी में बुधवार को नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। घटना का पता लगने के बाद लोग बनास नदी की ओर दौड़े और उनके शवों को तलाशा। करीब एक घंटे की मशकत के बाद दोनों चचेरे भाइयों को बाहर निकाला और टोडारयसिंह अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

टोडारयसिंह थाना पुलिस ने बताया कि सवाई माधोपुर जिले के बौली थाना क्षेत्र के जस्टाना निवासी सत्यनारायण मीना टोडारयसिंह कस्बे में बिजली निगम में लाइनमैन हैं, यहां सपरिवार रहता है। इनके साथ इसके



मृतक चचेरे भाई।

बड़े भाई जसमन मीना का एक लड़का तेजप्रकाश भी पढ़ाई के लिए रहता था। सुदर्शन (15) और तेजप्रकाश (15)

एक निजी स्कूल पढ़ते थे। मंगलवार को दोनों स्कूल गए थे। सुदर्शन कक्षा 11 में साइंस का

■ घटना का पता लगने के बाद लोगों ने बनास नदी में से दोनों चचेरे भाइयों को बाहर निकाला

■ दोनों को टोडारयसिंह अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया

■ मृतक सुदर्शन कक्षा 11 में साइंस का और तेजप्रकाश कक्षा 12 में कला वर्ग का स्टूडेंट था

और तेजप्रकाश कक्षा 12 में कला वर्ग का स्टूडेंट था। मंगलवार दोपहर को स्कूल से वापस आने के बाद शाम को परिजनों के साथ क्षेत्र के कुरासिया गांव में एक परिचित के सामाजिक कार्यक्रम में गए थे, रात में वहीं रहे थे। बुधवार सुबह करीब नौ बजे परिजनों को बिना बताए गांव के पास

बैठकर नहा रही दो तीन महिलाओं ने इनके चिल्लाने की आवाज सुनी तो घबरा गईं। वे संभलती उससे पहले ही वे कुछ ही पल में पानी में डूब गए और दिखाई नहीं दिए। बाद में महिलाओं ने गांव के लोगों को इस घटनाक्रम की जानकारी दी। बाद में ग्रामीण नदी की ओर दौड़े। इसका पता लगने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे और बाहर कपड़े देख बिलख पड़े। करीब एक घंटे की मशकत के बाद ग्रामीणों ने दोनों के शवों को निकाला। पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजन दोनों के शवों को लेकर अपने मूल गांव के लिए रवाना हो गए।

नाबालिग युवती का अपहरण कर दुष्कर्म राजस्थानी भाषा के आठ साहित्यकारों को अलंकृत किया जाएगा

खाजूवाला, (निस)। यहां एक चक में नाबालिग युवती का अपहरण करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवती का अश्लील वीडियो भी बनाया। खाजूवाला में करीब एक माह पूर्व सुरतगढ़ से आए तीन लोग रात के समय ग्रामीण इलाके में घर के आगे सो रही 17 साल की युवती का मुंह दबाकर उसे उठा ले गए। युवती को दूर सुनसान जगह खेत में ले गए और एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके दो साथियों ने अश्लील वीडियो बनाया।

इस दौरान युवती का मुंह तैलिए से बंद कर दिया। उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया गया। बारदात के बाद युवती को किसी को बताने या मुकदमा दर्ज कराने पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी और फरार हो गए। डरी-सहमी युवती ने कुछ दिन पहले ही अपने परिजनों को बारदात के बारे में बताया। युवती के पिता ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी 17 साल की पुत्री अपनी छोटी बहन के साथ बुआ के बेटे की

■ आरोपियों ने युवती का अश्लील वीडियो बनाकर धमकी दी

सगाई में गई और छह-सात दिन वहां रुकी। इस दौरान बड़े गुरविन्द्रसिंह रायसिंह उसके पीछे लग गया और शादी का दबाव डालने लगा। युवती अपने घर लौट आई पर आरोपी गुरविन्द्र उसे लगातार फोन करने लगा। उसने अपने माता-पिता से भी मोबाइल पर शादी का दबाव डालवाया।

पांच सितंबर की रात को पीड़िता अपने घर के बाहर मां और दादी के साथ सो रही थी। रात को 11.30 बजे आरोपी गुरविन्द्र अपने दो साथियों के साथ बाइक लेकर पहुंचा और पीड़िता का मुंह दबाकर जबरन उठा ले गया। उसे सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म किया और उसके साथियों ने अश्लील वीडियो बनाया। पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया है। मामले को जांच सीओ खाजूवाला विनोद कुमार कर रहे।

जयपुर। साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों में संलग्न प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा प्रदेश के आठ प्रमुख साहित्यकारों को राजस्थानी भाषा में उल्लेखनीय योगदान के लिए संस्थान के विभिन्न पुरस्कार-सम्मानों से अलंकृत किया जाएगा।

प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि संस्थान प्रवर्तित कन्हैयालाल रतनलाल पारख साहित्य पुरस्कार, मोहन आलोक साहित्य सम्मान, वैजनाथ पंवार कथा साहित्य पुरस्कार, सावित्री चौधरी

■ 15 सितम्बर को चूरू में आयोजित होगा कार्यक्रम

सम्मति होने वाले साहित्यकार।

सम्मति होने वाले साहित्यकार।

मैं राजस्थानी भाषा एडवायजरी बोर्ड के कन्वीनर प्रोफेसर अर्जुनदेव चारण की अध्यक्षता में होने वाले इस समारोह के मुख्य अतिथि चूरू सांसद राहुल कस्यांकां हैं। वहीं राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति



सम्मति होने वाले साहित्यकार।

अकादमी बीकानेर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. भरत ओला तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में शिरकत करेंगे।

अजमेर रेलवे स्टेशन से चार साल की मासूम का अपहरण

अहमदाबाद से दस घंटे के अंदर आरोपी को बालिका के साथ पकड़ा

अजमेर, (कास)। अजमेर रेलवे स्टेशन पर मासूम बच्चियों के अपहरण और दुराचार की बारदातें धमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार देर रात ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब अजमेर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर संख्या एक से 4 साल की मासूम बालिका अपहरण हो गया। बालिका का परिवार सिरौही से दरगाह जियारत के लिए अजमेर आया था और गंतव्य स्थान पर जाने के लिए स्टेशन के प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। घटना के बाद जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को दस घंटे के अंदर अहमदाबाद के चांदोलिया रेलवे स्टेशन पर पोरबंदर एक्सप्रेस से गिरफ्तार कर लिया और बच्ची को सुरक्षित कब्जे में ले लिया। आरोपी को पुलिस टीम देर अजमेर लेकर आई।



वारदात के बाद अजमेर रेलवे स्टेशन का जीआरपी एएसपी ने मौका मुआयना किया।

जीआरपी एएसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि दरगाह जियारत कर परिवार अजमेर से सिरौही जा रहा था। मंगलवार देर रात करीब चार बजे घटना घटित हुई। जब सिरौही से अजमेर आई महिला अपने परिवार के साथ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इस दौरान एक अज्ञात युवक परिवार के पास आकर बैठ गया और मासूम से बातचीत करने लगा। शांति युवक

मौका पाकर मासूम बच्ची का अपहरण कर फरार हो गया। जीआरपी एएसपी जोशी ने बताया कि आरोपी बच्ची को स्टेशन से लेकर पहले बाजार गया और कुछ देर बाद वापस प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंचा और एक ट्रेन से बच्ची को लेकर रवाना हो गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने विभिन्न स्टेशनों पर

इसकी सूचना दी गई। बुधवार सुबह करीब 6 बजे के करीब अहमदाबाद के नजदीक चांदोलिया पर खड़ी पोरबंदर ट्रेन से मासूम बच्ची को दस्तयाब कर आरोपी को पकड़ कर हिरासत में ले लिया। अजमेर जीआरपी की सूचना दी। सूचना मिलते ही टीम मौके के लिए रवाना हो गई और देर रात आरोपी को अजमेर ले आई।

बच्ची को कोल्ड ड्रिंक और टॉफी का लालच दिया:- जीआरपी एएसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि महिला जायरीन दरगाह जियारत के लिए आई थी। कल 8 बजे वापस स्टेशन पर घर लौटने के लिए आई थी। प्लेटफार्म नंबर एक पर ट्रेन का इंतजार किया जा रहा था। इस बीच एक अज्ञात युवक वहां पहुंचा और महिला से

■ बालिका का परिवार सिरौही से दरगाह जियारत के लिए अजमेर आया था

■ बच्ची को आरोपी कोल्ड ड्रिंक और टॉफी का लालच देकर ले गया

बातचीत और जान पहचान करने लग गया। बाद में उसकी चार साल की बच्ची को कोल्ड ड्रिंक और टॉफी का लालच देकर गोद में धिखलाने लग गया। बाद में जैसे ही बच्ची की मां का ध्यान भटका वह बच्ची को लेकर फरार हो गया। बच्ची को पास न पाकर परिवार घबरा गया और उन्होंने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद यात्रियों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जीआरपी एएसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि बुधवार सुबह रेलवे स्टेशन सौर का निरीक्षण किया। प्लेटफार्म सहित स्टेशन परिवार से नशेडियों को बाहर खदेड़ा गया। साथ अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि प्लेटफार्म की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए।

नाबालिग से दुष्कर्म

अजमेर, (कास)। श्रीनगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी के साथ युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। रिश्तेदार के यहां पर आरोपी युवक से पीड़िता की मुलाकात हुई थी। पीड़िता और आरोपी एक ही समाज के हैं और उनके बीच रिश्ते की बात चल रही थी, लेकिन आरोपी युवक ने किशोरी को अपनी हवस का शिकार बना लिया। पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता ने अजमेर पुलिस अधीक्षक को तहरीर पेश की थी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 2089-98 Date: 09.09.2024

Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 06/2024-25) for "Water Harvesting Work" are invited from Registrar & Interested bidders up to 6.00 PM on 26.09.2024. procurement portal (<http://eproc.rajasthan.gov.in>, <http://sppp.raj.nic.in>) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 14.70 lacs.
UBN No. PWD2425WSOB05432

(Hari Narayan Meena)
DIPRC/8585/2024 Executive Engineer PWD Division Hindaun

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 2100-2110 Date: 09.09.2024

Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 07/2024-25) for "Rate Contract for Immediate Flood Work" are invited from Registrar & Interested bidders up to 6.00 PM on 26.09.2024. procurement portal (<http://eproc.rajasthan.gov.in>, <http://sppp.raj.nic.in>) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 66.75 lacs.
UBN No. PWD 2425 WS0B05433
PWD 2425 WS0B05434

(Hari Narayan Meena)
DIPRC/8586/2024 Executive Engineer PWD Division Hindaun

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, किठरेनवाल, जिला जयपुर (राज.)
क्रमांक / ई-बोली / 2024-2025 / निर्माण / 1843 दिनांक 11.09.2024

ई-बोली आमंत्रण सूचना 04/2024-2025
नगर पालिका कार्यालय किठरेनवाल द्वारा स्थानीय निकाय विभाग/राजस्थान सरकार/केन्द्र सरकार के अतिरिक्त विभागों द्वारा पंजीकृत निविदा हेतु पात्रता की श्रेणी के नियमानुसार संवेदकों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में दिनांक 23.09.2024 तक बोली आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है तथा अयोहस्तावककर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।
UBN No. DLB2425WSOB07874, DLB2425WSOB07875

अध्यक्ष अतिरिक्त अधिकारी
राज.सं.बा.द/सी/24/5097 नगर पालिका किठरेनवाल नगर पालिका किठरेनवाल

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
उदयपुर निगम (एन.ए.सी.) 318001, उदयपुर (राज.) 0294-2421255, 2420013
Helpline no. 0294 2426262, Helpline no.0294-2426262, वेबसाइट - www.udalpurmc.org

क्रमांक - विनिदा/2024-25/5-18 दिनांक - 09/09/2024

(ई-मुद्रातान) बोली आमंत्रण सूचना संख्या - ई 18/2024-25
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यों हेतु कुल राशि से 199.41 लाख के कुल 08 कार्यों हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यों की प्रारम्भ तिथि 12.09.2024 एच अंतिम तिथि 23.09.2024 तथा निविदा खुलने की तिथि 24.09.2024 रहेगी। निविदा से सम्बंधित अन्य सम्पन्न विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं। UBN No. :UNP2425WSOB00806
राज.सं.बा.द/सी/24/5096 अतिरिक्त अधिकारी, उदयपुर

बिकानेर नगर निगम
नगर निगम बिकानेर (एन.ए.सी.) फोन - 0151-2226906, फोन - 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagamgambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanernm.org

क्रमांक - विनिदा/2024-25/12813 दिनांक - 09/09/2024

ई - निविदा-सूचना सं 50/2024-25
नगर निगम बिकानेर की ओर से विभिन्न कार्यों (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "एम्.ए.", "ए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित विवरण वेब साईट www.bikanernm.org Web site www.sppp.raj.nic.in से व <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है। निविदा की कुल लागत - 59.14 लाख
UBN Number:- DLB2425WSOB07862 अयुक्त, नगर निगम, बिकानेर

Office of The Executive Engineer Water Resources Division Kota
क्रमांक-EE/WRD/AC/2024-25/ Date: 08/2024-25
NIT No. - 08/2024-25

On behalf of the Governor of Rajasthan, e-Tenders are invited from eligible Bidders for the Works of
Item No. 01 "Repair and Renovation of Melhi Ki Talai G.P and Tehsil Kanwas Distt. Kota" (Estimated Cost Rs. 29.39 Lac)
Item No. 02 "Conversion of old causeway into anicut near village Jagdishpura-Bishanpura Tehsil-Kanwas Distt. -Kota" (Estimated Cost Rs. 44.09 Lac)
Item No. 03 "Restoration of Dhuleet Anicut on Local Nallah. G.P.Dhuleet Tehsil Kanwas, Distt. -Kota" (Estimated Cost Rs. 63.70 Lac)
Item No. 04 "Restoration of Payara Talab Near Village Moikalan Tehsil Sangod Distt. Kota" (Estimated Cost Rs. 68.59 Lac)
Item No. 05 "Restoration of Khedahirpur Talab Village Vinodkalan Tehsil Sangod, Distt. - Kota" (Estimated Cost Rs. 68.60 Lac)
Item No. 06 "Conversion of old causeway into anicut on near village Digod Tehsil Sangod District Kota" (Estimated Cost Rs. 73.48 Lac)
Item No. 07 "Repair and Renovation of Umarheri Talab, G.P-Bulahera, Tehsil Kanwas Distt. -Kota" (Estimated Cost Rs. 73.50 Lac)

are invited from interested bidders from 11.09.2024 (9:30 Hr) to 23.09.2024 till 18:00 Hr other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal <https://eproc.rajasthan.gov.in> & <https://sppp.rajasthan.nic.in>, www.dipr.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in.
NIB Code: WRD2425A0182
UBN ???
Item No. 01- WRD2425WSOB00599
Item No. 02- WRD2425WSOB00600
Item No. 03- WRD2425WSOB00601
Item No. 04- WRD2425WSOB00602
Item No. 05- WRD2425WSOB00603
Item No. 06- WRD2425WSOB00604
Item No. 07- WRD2425WSOB00605

Executive Engineer
Water Resources Division, Kota
DIPRC/8594/2024

राजस्थान सरकार
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम
मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर दिनांक: 6/9/24

ई-निविदा सूचना
इस कार्यालय के अधीन जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के अन्तर्गत वित्तिय वर्ष 2024-25 में आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु भोजन, आवास एवं निदिग हॉल की व्यवस्था किये जाने हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फॉर्म एवं भरे हुए निविदा फॉर्म (ई-निविदा) के माध्यम से दिनांक 09.09.2024 से 30.09.2024 तक प्रातः 11.30 तक डाउनलोड एवं अपलोड किया जा सकेगा। ऑनलाइन ई-निविदा के माध्यम से जमा/अपलोड करायी गयी निविदाओं को दिनांक 30.09.2024 को दोपहर 3:00 बजे खोला जायेगा। शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में अतिरिक्त/अनुसूचित होंगी जो SPPPRaj.nic.in एवं eprocure.gov.in पर देखी जा सकती हैं। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अयोहस्तावककर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा शुल्क 1000/- प्रति टेन्डर व अमानत राशि के हिमायत ड्राफ्ट जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के नाम देय होंगे, एवं प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार अनुसार होगा। जिसका डीडी MORSLJPR के नाम देय होगा। जो निर्धारित तिथि तक अथवा उससे पूर्व कार्यालय में जमा करने होंगे।

समान विवरण	अनुमानित राशि (राशियों)	बयाना राशि	निविदा शुल्क
1 विभिन्न प्रशिक्षणों में छात्र, नाश्ता, लंच, डिनर व इत्यादि की व्यवस्था। विस्तृत जानकारी टेन्डर फॉर्म में उपलब्ध है।	10000000.00 (एक करोड़)	200000.00 (दो लाख)	1000.00 (एक हजार)
2 विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों के लिए मीटिंग हॉल आवास व्यवस्था हेतु विस्तृत जानकारी टेन्डर फॉर्म में उपलब्ध है।	15000000.00 (एक करोड़)	300000.00 (तीन लाख)	1000.00 (एक हजार)

टेंडिंग हॉल, आवास व्यवस्था व भोजन व्यवस्था के लिए अलग-अलग निविदाएं प्रस्तुत की जानी हैं।
UBN: MHS 2425SL0B02876
UBN: MHS 2425SL0B02877

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम
DIPRC/8575/2024

OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT, RUHS HOSPITAL,
Sector - 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795577 Email: suptd.ruhscms.hms.2020@ruhsraj.org

No. RUHS HMS/Store/2024-25/4912-13 Date: 10/09/2024

अल्पकालीन ई-निविदा/दर सिद्धा सूचना
राज.सं.बा.वि.चि. आयुर्विज्ञान चिकित्सालय हेतु इच्छुक एवं अनुभवी फॉर्म/सेवा प्रदाताओं से निम्नानुसार दर सिद्धा हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

S. No.	Description of Tender	Estimated Cost in Rs.	Bid Security in Rs.	Tender Fee in Rs.	RISL Processing Fee	Bid Submission Start Date/Time	Bid Submission End Date/Time	Bid Opening Date/Time
1.	Rate Contract for Procurement of Services of Radiologist with Sonography Machine for USG Tests in Dept. of Radiology, RUHS Hospital, Jaipur (UBN:CMS2425SLRC00018)	90.00 Lacs	180000.00	1000.00	1500.00	24/09/2024 at 2:30 PM onwards	04/10/2024 at 2:00 PM	05/10/2024 at 01:00 PM
2.	Rate Contract for Procurement of Service of High Skilled Man Power (Nurse Grade-II) as per Nature of Work in NICU/PICU/ICU at RUHS Hospital, Jaipur (UBN:CMS2425SLRC00019)	125.00 Lacs	250000.00	1500.00	2000.00	10/09/2024 at 2:00 PM onwards	21/09/2024 at 2:00 PM	23/09/2024 at 01:00 PM

* Details may be seen in the Bidding Document at <https://sppp.rajasthan.gov.in>, eproc.rajasthan.gov.in or on RUHS CMS website: www.ruhscms.org
Raj.Samwad/24/5102

Medical Superintendent, RUHS Hospital, Jaipur

जिस देश में महिलाएं सुरक्षित नहीं, वो देश प्रगति भी नहीं कर सकता : मूमल राजवी

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 90 प्रतिशत अपराधी परिचित होते हैं : पालीवाल

जयपुर। भारतीय महिला को सशक्तीकरण की आवश्यकता नहीं, वह सशक्त है। पुरुष महिलाओं को नहीं बनाता बल्कि महिलाएं पुरुषों का निर्माण करती हैं। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने बुधवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में आयोजित महिला सुरक्षा-चुनौतियां एवं समाधान प्रबुद्ध जन गोष्ठी में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रथम गुरु मां होती है। वही उन्हें संस्कारित करती है। शिवाजी को प्रेरणा देने वाली उनकी मां जीजाबाई थीं। स्वामी विवेकानंद और मदन मोहन मालवीय के जीवन में भी उनकी मां की महत्वपूर्ण भूमिका थी। आज भी माताओं के ऊपर जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें, ताकि एक सभ्य समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने दूसरे पंथों में स्त्रियों की स्थिति बताते हुए महिला के प्रति भारतीय व अमरातीय दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए स्वतंत्र पत्रकार और विचारक डॉ. शिप्रा माथुर ने कहा कि देश में यौन हिंसा के मामलों में बढ़ती हुई है, साथ ही जघन्यता भी बढ़ी है। पहले सिर्फ रेप होते थे, अब दुष्कर्म के बाद पीड़िताओं की हत्या भी हो रही है। ऐसे अपराधियों से निपटने

राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में महिला सुरक्षा-चुनौतियां एवं समाधान प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन

के लिए हमें बालिकाओं और महिलाओं को सक्षम बनाना होगा। मीडिया को भी सिलेक्टिव पत्रकारिता से ऊपर उठकर अपना दायित्व निभाना होगा। दुष्कर्म तो दुष्कर्म होता है, यहां पर भी यदि जाति या सम्प्रदाय देखेंगे तो यह पत्रकारिता के साथ न्याय नहीं हो सकता।

वरिष्ठ आईपीएस और वर्तमान में एडीजी रेलवे अनिल पालीवाल ने कहा कि महिला सुरक्षा का विषय समाज और संस्कृति से जुड़ा है। इसको लेकर राज्य सरकार और पुलिस भी चिंतित है। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा से समाज की पोषक रही हैं। इसे समाज ने स्वीकार भी है। चाहे गाय हो या फिर नदियां, हमने इन्हें भी मां का स्थान दिया है। सनातन संस्कृति में महिला का सम्मान रचा बसा है। एडीजी पालीवाल ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 90 प्रतिशत अपराधी परिचित ही होते हैं।

अधिवक्ता मूमल राजवी ने कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान सभ्य समाज के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि जिस देश में महिलाएं सुरक्षित नहीं, वो देश प्रगति भी नहीं कर सकता। मूमल राजवी ने अजमेर सेक्स स्कैंडल की चर्चा करते हुए कहा कि वह दौर कितना भयावह रहा होगा, जब एक बालिका से शुरू हुआ यह घिनौना कृत्य 250 बालिकाओं के जीवन को तबाह कर गया। कुछ बालिकाओं ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपी यूथ कांग्रेस से जुड़े थे और अजमेर दरगाह के खादिम परिवार से थे। उनकी पहुंच और दबदबे के आगे सिस्टम भी कुछ नहीं कर पाया। कुछ आरोपी बरी हो गए और कुछ जमानत पर रिहा होकर आराम का जीवन गुजार रहे हैं। 32 वर्ष बाद 6 आरोपियों को सजा हुई है। यह बताता है कि हमारा सिस्टम कितना कमजोर है। मूमल ने कहा कि चुपी अपराधियों को निडर बनाती है। इतिहास उन्हीं का लिखा जाता है, जो अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाते हैं।

अजमेर सेक्स स्कैंडल के बाद 1999 से 2003 तक अजमेर में शिक्षा ग्रहण करने वाली पुष्पा यादव ने कहा कि उस समय लोग इस मामले की चर्चा करने से भी डरते थे। घर वाले दरगाह की ओर जाने से भी मना करते थे। एक

बार जब सहैलियों के साथ दरगाह गए तो मुस्लिम लड़के दरगाह में भी फकिरियां करने से बाज नहीं आए। वे हमें देखकर गा रहे थे, हुस्न की चक्की चली फिर एक दाना फंसा, हम फंसे तो क्या फंसे मौलाना और चिरती फंसा। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उस समय अजमेर में कैसा वातावरण रहा होगा।

समर्थ सेवा न्यास की अध्यक्ष डॉ. मंजु शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि महिला सुरक्षा का विषय सिर्फ महिलाओं का नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का विषय है। इन दिनों मानवता को शर्मसार करने वाले मामले सामने आ रहे हैं। कानून महिलाओं के पक्ष में है, इसके बावजूद घटनाएं हो रही हैं। कोलकाता का मामला आप सबके सामने है।

मनसा अध्यक्ष डॉ. सुनीता अग्रवाल ने सभी का आभार जताया। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां शारदे के भजन से हुआ तथा समापन शांति मंत्र से। कार्यक्रम में क्षेत्र कार्यवाह गेंदाला और डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लॉनिंग के निदेशक डॉ. जय सिंह सहित काफी संख्या में महिलाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन समर्थ सेवा न्यास, मनसा और डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लॉनिंग की ओर से किया गया था।

दिया कुमारी दो उच्च जलाशयों का शिलान्यास करेंगी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गुरुवार को विद्यार्थ नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर पाँच और 12 में उच्च जलाशयों का शिलान्यास करेंगी। उप मुख्यमंत्री वार्ड 12 बेंनाड रोड पवनपुरी में तथा दोपहर 3 बजे वार्ड 5 पार्षद कार्यालय के सामने बढारणा में उच्च जलाशयों का शिलान्यास करेंगी।

बौसलपुर योजना में विद्यार्थ नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 के बढारणा में 7 लाख लीटर और वार्ड 12 में 20 लाख लीटर क्षमता के उच्च जलाशयों का निर्माण करवाया जाएगा। इन उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य मार्च 2025 तक पूरा किया जाना है। उच्च जलाशय से वार्ड नंबर पाँच की जेडी ए स्कीम क्वार्टर, सूयं नगर विस्तार, गौतम विहार, प्रेमनगर एस एमवू डी ब्लॉक, देविका नगर, यादव मार्केट, युवराज विहार, विशाल नगर, श्रीराम विहार, उद्योग विहार कॉलोनीयों की लगभग 20,000 आबादी को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित होगा।

इसी प्रकार वार्ड 12 की पवनपुरी में बनने वाले उच्च जलाशय से बालाजी नगर, गणेश नगर, महेश नगर, अन्नापरम एंक्लेव, ओलमपुया सिटी कॉलोनी, राज रेजीडेंसी, उदय नगर, रामेश्वरम, कानोडिया कॉलोनी, बालाजी विहार, गणेश नगर, चमकार नगर, तिरुपति नगर, मोहन चाटिका आदि इन कॉलोनीयों के लगभग 38,000 लोग लाभान्वित होंगे।

जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए ऑनलाइन माँड्यूल बनेगा : भास्कर सावंत

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जो कार्य आदेश जारी किये गये हैं, उनकी योजना-वार मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही प्रत्येक स्तर पर समय सीमा निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि

“जल जीवन मिशन के ऐसे कार्यों को चिन्हित किया जाए, जिनका अधिकांश कार्य पूर्ण हो गया है, उन्हें शीघ्र पूर्ण करके आमजन को लाभान्वित किया जा सके”

जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए ऑनलाइन माँड्यूल बनाया जाएगा। जिससे किये जा रहे कार्यों की वास्तविक प्रगति एवं गुणवत्ता का सही ढंग से विभिन्न स्तरों पर आकलन किया जा सके। सावंत बुधवार को जल भवन में आयोजित जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत चल रहे ऐसे कार्यों को चिन्हित किया जाए, जिनका अधिकांश कार्य पूर्ण हो गया है। उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए जिससे आमजन को लाभान्वित

कारोबार की लागत कम करना सरकार की प्राथमिकता में सबसे ऊपर : कर्नल राठौड़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में इस वर्ष दिसंबर में जयपुर में आयोजित होने वाले ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 से पहले उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज मीडिया को संबोधित किया। आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में माननीय मंत्री कर्नल राठौड़ ने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को मौजूदा 15 लाख करोड़ रुपये से दोगुना करके 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रही है और ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के जरिए प्रदेश में निवेश जुटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कर्नल राठौड़ ने यह भी कहा कि सरकार ‘इज ऑफ



डूइंग बिजनेस’ के तहत व्यवसाय करने की लागत में कमी लाना और लावफोताशाही को कम करने का निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि उद्योग जगत को प्रदेश में काम करने में आसानी हो।

‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बारे में बोलते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 से पहले मीडिया को संबोधित किया

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, यह ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट राजस्थान को व्यापार के लिए सबसे अधिक अनुकूल राश्यों में से एक के रूप में प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर है और इसके लिए राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को निवेशक-अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर

डॉ. भागवत और होसबाले राजस्थान क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले उत्तर पश्चिम क्षेत्र (राजस्थान) के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न संगठनात्मक

बैठकों में सम्मिलित होंगे और कार्यक्रमों का प्रबोधन करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि डॉ. भागवत राजस्थान क्षेत्र

के प्रवास के पहले चरण में जयपुर प्रांत के अलवर में 14 से 17 सितम्बर तक रहेंगे। क्षेत्र प्रवास के दूसरे चरण में डॉ. भागवत 3 से 6 अक्टूबर तक चित्तौड़ प्रांत में रहेंगे।

राहुल गांधी के आरक्षण समाप्त करने का वक्तव्य निंदनीय : गोठवाल

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने राहुल गांधी के अमेरिकी यात्रा के दौरान आरक्षण को लेकर दिए गए बयान की घोर निंदा की और कहा कि आरक्षण समाप्त करने वाली सोच रखने वाले राहुल गांधी का गुरुवार को एससी, एसटी मोर्चा और भाजपा कार्यकर्ता पुतला दहन करेंगे। ये सभी कार्यकर्ता सुबह 11 बजे अम्बेडकर सर्किल पर राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध जताएंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि राहुल गांधी का आरक्षण समाप्त करने वाला वक्तव्य दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण को समाप्त करने के बारे में सोच रही है। राहुल गांधी के इस बयान से बाबा साहब के द्वारा उमाज के वंचित, शोषित और दलितों के उत्थान के लिए शुरू किए गए आरक्षण प्रावधान के बारे में कांग्रेस की सच्चाई देश के सामने आ गई है।

गोठवाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक कांग्रेस पार्टी की आरक्षण समाप्त करने वाली सोच समय-समय पर उजागर हो रही है। एक ओर पूर्व पीएम नेहरू थे जिन्होंने आरक्षण को लेकर तत्कालीन जिला कलेक्टरों को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने आरक्षण को लेकर सवाल उठाए थे, वहीं दूसरी ओर मंडल कमीशन की रिपोर्ट को वर्षों तक दबाने का काला कारनामा भी इसी कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने किया था। जिसके कारण से अन्य पिछड़ा वर्ग को वर्षों तक आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया। अब राहुल गांधी के द्वारा दलितों और पिछड़ों के आरक्षण को लेकर अमेरिका में इस तरह का बयान देना घोर निंदनीय है।



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे बुधवार सांय आमेर स्थित शिला माता मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने महिषासुर मर्दिनी स्वरूप माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां जगत जननी से राष्ट्र और प्रदेश के सुख, समृद्धि और सम्पन्नता के लिए प्रार्थना की।

भाजपा पी.एम. मोदी के जन्मदिन पर मनाएगी “सेवा पखवाड़ा”

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती और गांधी जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी देशभर में सेवा पखवाड़ा मनाएगी। सेवा पखवाड़े के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भाजपा प्रदेश महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने प्रदेश टोली का गठन किया।

भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े के लिए

प्रदेश से भाजपा के 5 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की प्रदेश टोली गठित की गई है। इनमें पूर्व विधायक चंद्रकांत मेघवाल, महिला मोर्चा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुमन शर्मा, सवाई माधोपुर जिला प्रभारी प्रणवेंद्र शर्मा, पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य ध्रुव मेघवाल और उदयपुर जिला महामंत्री गजपाल सिंह को नियुक्त किया गया है। सेवा पखवाड़े की प्रदेश स्तरीय टोली अब जिलों में चार सदस्यों की टोली बनाएंगे फिर उन्हें जिलों में होने वाले कार्य की जिम्मेदारी दी जाएगी।

भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा शुरू करेगी। सेवा पखवाड़े में 25 सितंबर को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती और 2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाई जाएगी। इस सेवा पखवाड़े में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, सचित्र प्रदर्शनी, विषय आधारित संगोष्ठी, वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

देवनानी ने दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को नई दिल्ली प्रवास पर रहे। उन्होंने केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय संसदीय कार्य एवं अल्प संख्यक मामलों के मंत्री किरन रिजोजू तथा केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्रियों से राजस्थान और अजमेर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बी.एल. संतोष एवं सुनील बंसल से भी मुलाकात कर चर्चा की। देवनानी ने केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से उनके निवास पर मुलाकात कर देश-प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों एवं राजस्थान विधानसभा में किये जा रहे नवाचारों पर चर्चा की।

‘भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम’

कैथल/कलायत। कलायत विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी कमलेश ढांडा की नामांकन सभा में बोलते हुए भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पुनिया ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम है और देश हित की नीति के साथ भाजपा काम करती है। हम सभी देश भक्त लोग हैं, तिरंगे का मान और सम्मान करते हैं।

जम्मू कश्मीर में तिरंगे का अपमान होता था। भारत मां के लाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने तिरंगे का मान बढ़ाया, इसी का परिणाम है कि आज कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगे आन, बान और शान के साथ लहरा रहा है। डा. सतीश पुनिया ने नामांकन सभा से पहले भाजपा प्रत्याशी कमलेश ढांडा का नामांकन भी कराया।

‘शिक्षा से वंचित बच्चों का स्कूलों में नामांकन करवाएं’

जयपुर। जिन बच्चों का नामांकन अभी तक किसी भी स्कूल में नहीं हुआ है, उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए शिक्षा अधिकारी 30 सितंबर तक उनका नामांकन सरकारी विद्यालय में सुनिश्चित करें। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी का। डॉ. सोनी ने यह बात गुरुवार को जिला कलक्टर सभागार में आयोजित जिला निष्पादक समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के सभी राजकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

स्वायत्त शासन विभाग ने महापौर मुनेश गुर्जर को नोटिस थमाया

भ्रष्टाचार के आरोपों पर तीन दिन में जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। स्वायत्त शासन विभाग ने जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर को नोटिस थमाया है। नोटिस में मुनेश पर लगे आरोपों पर जवाब मांगा गया है, इसके लिए 3 दिन का समय दिया है।

ज्ञात रहे कि महापौर मुनेश के पति सुशील गुर्जर को पिछले साल 4 अप्रैल को एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) की टीम ने पकड़ा था। इसके बाद से ही मुनेश गुर्जर के खिलाफ एसीबी की जांच लंबित चल रही थी। इस पर बीजेपी सरकार ने गत दिनों अधियोजन स्वीकृति जारी की है।

सूत्रों की मानें तो स्थानीय निकाय विभाग के उप निदेशक विनोद पुरोहित ने मेयर मुनेश गुर्जर को धारा 39 (1), राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 के तहत नोटिस जारी कर पूछा है कि आपको भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा पृष्ठा जारी करने की एवज में 2 लाख रुपये की रिश्वत राशि लेने के आरोप से आरोपित किया है। आपके



हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर

पति सुशील गुर्जर और अन्य को गिरफ्तार भी किया है। उस मामले में अधोस्ताक्षरकर्ता की जांच अधिकारी नियुक्त किया है। ऐसे में आप मामले से संबंधित सभी तथ्यों, लिखित कथन मय दस्तावेज साक्ष्य आदि सहित 3 दिवस में अधोस्ताक्षरकर्ता के समक्ष

प्रस्तुत कर दें। निर्धारित समय अवधि में आप द्वारा अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में यह मानते हुए कि आपको उक्त मामले के संबंध में कुछ नहीं कहना है। जांच कार्यवाही पूर्ण कर ली जाएगी।

वहीं राजस्थान हाईकोर्ट ने मुनेश गुर्जर के खिलाफ चालान पेश करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट में मुनेश गुर्जर के खिलाफ अधियोजन की मंजूरी देने की रिपोर्ट पर लेकर सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। जस्टिस एनएस ढड्डा ने यह निर्देश सोमवार को सुधांशु सिंह दिल्लीन की याचिका पर दिया था। ज्ञात रहे कि मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की पट्टे बनाने की एवज में 41 लाख रुपये की रिश्वत मामले में गिरफ्तारी हुई थी। उन पर आरोप था कि पट्टे जारी करवाने के लिए दो दलालों के जरिए रिश्वत मांगी गई थी। सुशील के साथ दलाल नारायण सिंह और अनिल दुबे को भी गिरफ्तार किया था।

मुनेश गुर्जर के समर्थन में कई सामाजिक संगठन उतरे

जयपुर। हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर के खिलाफ अधियोजन स्वीकृति जारी होने और स्वायत्त शासन विभाग की ओर से उन्हें नोटिस जारी करने के विरोध में बुधवार को कई सामाजिक संगठन उतरे हैं। उन्होंने कहा कि मुनेश गुर्जर को जबदस्ती फंसाया जा रहा है। उनके पति प्रदीप गुर्जर, नगर निगम और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंच रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। फिलहाल किसी व्यक्ति के हतारत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन नगर निगम की टीम का सच ऑपरेशन चल रहा है। नगर निगम सतर्कता शाखा उपायुक्त पुष्पेंद्र राठौड़ ने बताया कि जर्जर इमारत को नगर निगम द्वारा पहले ही नोटिस दिया जा चुका था।

जयपुर मेहरा समाज, देवनारायण गुर्जर-राष्ट्रीय अध्यक्ष अखंड भारत गुर्जर महासभा, मनीष-अध्यक्ष गुर्जर समाज, मोहनलाल वर्मा-प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राजस्थान गुर्जर महासभा, गोविंदपुरी गोस्वामी-अध्यक्ष गोस्वामी समाज, पवन शर्मा-अध्यक्ष बिहार समाज, गोवर्धन गुर्जर-प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान गुर्जर महासभा (युवा प्रकोष्ठ) ने यह बात कही। इन सभी लोगों ने एक स्वर में मुनेश गुर्जर के खिलाफ हो रही कार्रवाई को रोकने और उसकी जांच करके ही कोई कदम उठाने की मांग की।

राइजिंग राजस्थान में मदद करेगा मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन

जयपुर। मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन ने जयपुर में 9 से 11 सितंबर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान में सहयोग की पेशकश की है। इसके लिए संस्था का एक प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान फाउंडेशन की कमिश्नर डॉ. मनीषा अरोड़ा एवं अन्य अधिकारियों से मुलाकात की है। यह जानकारी मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन के संस्थापक महासचिव सीए कैजय गर्ग ने दी। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन पिछले कुछ वर्षों से प्रवासी राजस्थानियों के बीच सामाजिक व व्यापारिक नेटवर्किंग बढ़ाने का कार्य कर रहा है और आज पूरे विश्व में 44 देश में मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन का नेटवर्क फैला हुआ है।

मैट्रोलाइन बेंगलोर से होसुर ले जाने पर विवाद, कर्नाटक के लोगों को रोजगार छिनने का डर

तमिलनाडू का तर्क है कि मैट्रो प्रोजैक्ट दोनों राज्यों के लिए फायदेमंद है, पर, बंगलुरु के स्थानीय लोगों का कहना है कि यह तमिलनाडू की चाल है

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 11 सितम्बर दक्षिण भारत के दो इकोनॉमिक हब, कर्नाटक में बंगलुरु और तमिलनाडू में होसुर, के बीच टकराव बढ़ रहा है। बंगलुरु का पड़ोसी क्षेत्र होसुर बहुत तेजी से एक इण्डस्ट्रियल हब और इकोनॉमिक सेंटर का रूप लेता जा रहा है, जो कि अपने पड़ोसी कर्नाटक के लिए चुनौती खड़ी कर सकता है।

होसुर में एक एयरपोर्ट बनाने की योजना है, जो कि साउथ बंगलुरु के निवासियों के लिए बंगलुरु एयरपोर्ट की तुलना में अधिक पास पड़ेगा तथा दक्षिण बंगलुरु क्षेत्र को होसुर से जोड़ने वाले हाइवे के कारण होसुर एयरपोर्ट पहुंचने में समय भी कम लगेगा।

अब, साउथ बंगलुरु स्थित इलैक्ट्रॉनिक सिटी से होसुर तक मैट्रोलाइन को बढ़ाने का प्रस्ताव है।

■ तमिलनाडू का होसुर तेजी से उभरता इण्डस्ट्रियल टाउन है और साउथ बंगलोर, जहाँ बंगलुरु की इलैक्ट्रॉनिक सिटी है, के ज्यादा नजदीक है। होसुर में हवाई अड्डा बनाने की योजना है। यह हवाई अड्डा बंगलुरु एयरपोर्ट की तुलना में साउथ बंगलोर के ज्यादा करीब होगा।

ज्ञातव्य है कि इलैक्ट्रॉनिक सिटी आई.टी. तथा सांफ्टवेयर इण्डस्ट्री का केन्द्र है और अपनी तरह का पहला टेक्नोलॉजी एरिया है। दूसरी तरफ होसुर, तमिलनाडू का अंतिम इण्डस्ट्रियल टाउन है, जो कि दक्षिण भारत के दोनों राज्यों के बीच बॉर्डर का काम करता है। उपरोक्त दोनों राज्यों में इण्डिया गठबंधन के दो अलग-अलग घटकों का शासन है, तमिलनाडू में द्रमुक (डी.एम.के.) तथा कर्नाटक में कांग्रेस का।

लेकिन, मैट्रोलाइन को लेकर कर्नाटक तथा कन्नड़ एंक्टिविस्टों ने दोनों राज्यों के बीच लड़ाई शुरू करवा दी है।

ये एंक्टिविस्ट नहीं चाहते कि होसुर तक मैट्रोलाइन को बढ़ाया जाए। इन्हें डर है कि यदि आवाजाही आसान हो गई तो तमिलनाडू के इस शहर से आने वाले प्रवासियों की बाढ़ लग जाएगी। यहाँ के स्थानीय लोगों को भय है कि पड़ोसी राज्यों से कम दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूरों के आने से उनकी आजीविका व रोजगार छिन जाएगी।

कर्नाटक सरकार को अभी उस प्रस्ताव पर निर्णय लेना है, जिस पर इस बिन्दु को लेकर चर्चा हो रही है कि मैट्रो-सेवा को बंगलोर से होसुर तक बढ़ाया जाये। जब कांग्रेस विधायक रिजवान

अरशद से उन कर्नाटक समर्थक ग्रुपों द्वारा किए जा रहे विरोध के बारे में पूछा गया, जो इन दोनों शहरों के बीच मैट्रो-सेवा के विचार का विरोध कर रहे हैं, तो उन्होंने पत्रकारों को बताया कि "जो भी निर्णय लिया जायेगा, वह राज्य और उसकी जनता के सर्वोत्तम हित में होगा।

इस समय तो सरकार केवल यह जाँच और विचार कर रही है कि यह प्रस्ताव व्यवहार्य है भी या नहीं तथा यह राज्य के हित में होगा या नहीं।" तमिलनाडू सरकार ने बोम्मासन्ना से होसुर तक 23 किमी. एलिवेटेड मैट्रो लाइन के लिये 6900 करोड़ रूपए प्रस्तावित किये हैं। इस लाइन का 11 किमी. का हिस्सा कर्नाटक में तथा 12 किमी. का हिस्सा तमिलनाडू में पड़ता है। इस मैट्रो सर्विस से ये दोनों शहर जुड़ जायेंगे तथा श्रम शक्ति के त्वरित आवागमन के फलस्वरूप, इन दोनों ही क्षेत्रों के उद्योगों तथा सेवा क्षेत्र के लिये काफी सुविधा

एवं सुगमता हो जायेगी।

जहाँ तमिलनाडू का तर्क है कि यह मैट्रो प्रोजैक्ट दोनों राज्यों के लिये लाभदायक रहेगा, वहीं बंगलोर के स्थानीय लोग तथा कन्नड़ संगठन इसके विरोध में उठ खड़े हुये हैं तथा इसे तमिलनाडू की एक चाल बताते हुये, संभावित लाभ को खारिज कर रहे हैं तथा कह रहे हैं कि कर्नाटक को इससे लाभ नहीं, बल्कि हानि होगी।

विपक्षी भाजपा का मत यह है कि बंगलोर शहर में वैसे ही ट्रेफिक सम्बन्धी कई चुनौतियाँ हैं तथा शहर के बहुत से क्षेत्र मैट्रो से जुड़े हुए नहीं हैं। इसलिए एक भाजपा नेता एम.रेड्डी ने कहा कि सरकार को अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए तथा मैट्रो लाइन के तमिलनाडू तक के विस्तार के सुझाव पर खुली आपत्ति किए बिना, प्रस्ताव में कोई अड़ंगा लगा देना चाहिए।

‘उचित शिक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
असंवैधानिक, धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत तथा संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत दिए गए गारंटीयुक्त 'समानता के अधिकार' का उल्लंघनकर्ता घोषित कर दिया था। यह कहते हुए कि उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मद्रसा एजुकेशन एक्ट, 2004 असंवैधानिक है, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि "मद्रसों के विद्यार्थियों को 'मद्रसा एक्ट' तथा 'हाईस्कूल एंड इन्टरमीडिएट एजुकेशन बोर्ड ऑफ द स्टेट उत्तर प्रदेश' के तहत मान्यता प्राप्त नियमित स्कूलों में समायोजित करने के कदम तत्काल उठाए जायें।" उच्च न्यायालय का यह फैसला एक वकील द्वारा दायर की गई याचिका पर आया था। याचिका में "मद्रसा एक्ट" को चुनौती दी गई थी। लेकिन अप्रैल में, सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च के इस फैसले पर रोक लगा दी थी तथा कहा था कि उच्च न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मद्रसा एक्ट का गलत अर्थ निकाला था तथा इस निर्णय से करीब 17 लाख विद्यार्थी प्रभावित होंगे।

अमेरिकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
हैरिस के मुकाबले में आने से ट्रम्प पिछड़ गए। अगर हैरिस नवम्बर में हुए चुनावों में जीत जाती हैं तो वे अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी।

खुली जेल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
जारी कर राजस्थान सरकार को कहा था कि ओपन जेल की जमीन को कम करने का प्रयास नहीं करो। वहीं, छह दशक से ओपन जेल के लिए काम आ रही इस जमीन को संरक्षित करें, लेकिन अदालती आदेश के बाद भी जेडीए ने 30 जुलाई 2024 को इस जमीन पर सेटलाइट अस्पताल के लिए जमीन आवंटन करना मंजूर कर दिया है।

राज्य सरकार व जे.डी.ए. का ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के अदालती आदेश की अवमानना है। याचिकाकर्ता सेटलाइट अस्पताल खोलने के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसके लिए दूसरी जगह देखी जा सकती है। वहीं, सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब देने के लिए समय मांगा गया, जिस पर अदालत ने सीएस को हिदायत देते हुए सुनवाई टाल दी। न्याय मित्र अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि ओपन जेल में हॉस्पिटल बनाए जाने का मुद्दा राजस्थान हाईकोर्ट में भी पेंडिंग चल रहा है।

श्रीगंगानगर में दोपहर 12:58 पर भूकम्प के झटके

रिक्टर स्केल पर भूकम्प की तीव्रता 5.8 नापी गई

श्रीगंगानगर, 11 सितम्बर (कासं)। पाकिस्तान में बुधवार दोपहर आये 5.8 तीव्रता के तेज भूकम्प से राजस्थान में भी धरती कांप उठी। इस भूकम्प का असर राजस्थान के सीमावर्ती जिले गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर के एरिये में रहा। जहां हल्के झटके महसूस होने के बाद लोग घरों और दुफ्तारों से बाहर निकल गए।

मौसम विभाग के मुताबिक भूकम्प भारतीय समयानुसार 12.58 बजे आया और इसका केन्द्र पाकिस्तान के वाहोवा प्रांत के पास था। भूकम्प के झटके राजस्थान, पंजाब और जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में झटके महसूस हुए। राजस्थान में श्रीगंगानगर, बीकानेर के एरिया में इस भूकम्प से सबसे ज्यादा झटके महसूस किए गए। वहीं जैसलमेर, हनुमानगढ़ और चूरू के कुछ ग्रामीण एरिया में भूकम्प के बहुत हल्के झटके महसूस किए गए। बॉर्डर के जिले श्रीगंगानगर में 4-5 सैकण्ड तक भूकम्प के हल्के झटके महसूस किये।

नेशनल सेंटर फॉर स्मोल्लार्जी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.8 नापी गई। भूकम्प का केन्द्र जमीन से करीब 33 किमी नीचे था। दोपहर करीब 12.58 बजे भूकम्प के झटके महसूस होने पर लोग डर के कारण घरों से बाहर निकल आए। श्रीगंगानगर के निवासी अरविंद ने बताया कि अचानक उन्हें लगा कि कुछ हिल रहा है। भूकम्प का पहसास होते ही वे दौड़कर बाहर निकले। अरविंद ने बताया कि उन्होंने करीब 4 सैकण्ड तक भूकम्प के हल्के झटके महसूस किये। पड़ोसी देश पाकिस्तान में आये भूकम्प का बेहद मामूली असर श्रीगंगानगर इलाके पर भी नजर आया। पाकिस्तान से श्रीगंगानगर महज 2.5 किलोमीटर दूरी पर है। ऐसे में भूकम्प का कुछ असर श्रीगंगानगर इलाके पर दिखा। शहर में लोगों ने जैसे ही मामूली मूवमेंट देखा उन्होंने एक दूसरे को फोन कर इस बारे में जानकारी ली। यह असर

■ भूकम्प का असर राजस्थान, पंजाब व जम्मू-कश्मीर में महसूस किया गया। भूकम्प का केन्द्र पाकिस्तान के वाहोवा प्रांत में था।

■ राजस्थान में श्रीगंगानगर के अलावा, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ व जैसलमेर में भी भूकम्प के झटके महसूस किये गए।

कुछ सैकण्ड तक ही रहा। दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर लोगों को कुछ सैकण्ड के लिए धरती हिलती हुई महसूस हुई।

मौसम विभाग के सहायक निदेशक हिमांशु शर्मा ने बताया कि पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकम्प आया है। हालांकि अब तक श्रीगंगानगर पर इसका असर रहने की कोई पुष्टा सूचना नहीं है, लेकिन नजदीक होने के कारण यह असर कुछ सैकण्ड तक रह सकता है। मौसम विभाग के स्थानीय सूत्रों ने भी हालांकि भूकम्प की पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से सीमा सटी होने के कारण भूकम्प का असर हमारे यहां हो सकता है। हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टेंस के बाद भूकम्प आता है।

म.प्र. के किसानों के लिए खुशखबरी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 11 सितम्बर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "किसानों

समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर विक्रि रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, केन्द्र ने महाराष्ट्र तथा कर्नाटक जैसे राज्यों को निमिनम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) पर सोयाबीन खरीदने की अनुमति दी थी।

मंगलवार को उन्होंने घोषणा की

■ केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश के किसानों को सस्ती दर पर सोयाबीन बेचना पड़ रहा था इसलिए राज्य सरकार ने एम.एस.पी. रेट पर सोयाबीन खरीदने का निर्णय लिया है।

की सेवा करना हमारे लिये भगवान की पूजा करने के समान है।" उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के किसान सोयाबीन को राज्य में बेचने को लेकर चिन्तित थे। चौहान ने कहा कि हाल ही में, मध्य प्रदेश के किसान इस बात को लेकर चिन्तित थे कि सोयाबीन न्यूनतम

कि मध्य प्रदेश में सोयाबीन भी एम.एस.पी. दर पर खरीदा जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने एम.एस.पी. दरें अनुमोदित कर दी हैं तथा केन्द्र को यह सूचना मिल चुकी है कि मध्य प्रदेश सरकार वहाँ के किसानों को सोयाबीन का पूरा मूल्य अदा करेगी।

क्या अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
इन्टेलिजेंस ब्यूरो (आई.बी.) को दी। जैसे ही यह सूचना आई.बी. को मिली, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से फोन पर बात की तथा उन्हें सचेत किया कि भारत में कोई अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश नहीं करें।

गृह मंत्रालय को प्राप्त सूचना के अनुसार, आसन्न हरियाणा विधानसभा चुनावों में अमेरिकन हस्तक्षेप की प्रबल संभावनाएं हैं।

प्रेमिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
का साथ दिया हो। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक राघवेंद्र पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर अनिल सैनी ने 13 जुलाई, 2018 को आमेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बंगाल में आंदोलनरत डॉक्टर ममता बनर्जी से सशर्त मुलाकात को तैयार

कोलकाता 11 सितंबर (वार्ता) पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार को सरकार के अस्पतालों में महीने भर से चल रहे काम बंद को खत्म करने के लिए वार्ता में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए नयी शर्तें तय कीं जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति और कारवाई का सीधा प्रसारण शामिल है। मुख्य सचिव मनोज पंत ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को पत्र लिखकर बातचीत के लिए राज्य सचिवालय आने का निमंत्रण दिया। इसके बाद आंदोलनकारियों ने मांग की कि उन्हें 30 प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की अनुमति दी जानी चाहिए। पंत ने हालांकि 15 सदस्यीय टीम को आमंत्रित किया था।

डॉक्टरों ने कहा कि सरकार ने निमंत्रण में उल्लेख किया है कि डॉक्टरों

■ आंदोलनरत डॉक्टरों ने कहा, मुख्यमंत्री से बातचीत का सीधा प्रसारण हो।

का प्रतिनिधिमंडल 15 सदस्यों से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन राज्य में 26 मेडिकल अस्पताल हैं और प्रत्येक अस्पताल बातचीत के लिए कम से कम एक प्रतिनिधि भेजना चाहता है। उल्लेखनीय है कि गत नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल में एक युवा महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के विरोध में सरकारी अस्पतालों में अनिश्चितकालीन काम बंद को समाप्त करने के लिए वार्ता में शामिल होने से पहले डॉक्टर कोलकाता पुलिस प्रमुख के इस्तीफे की अपनी मांग पर भी अड़े रहे।



THE SWIFTING COMMUNITY CELEBRATES

3 MILLION



THE EPIC NEW SWIFT TIME TO GO
#SWIFTING

Drive the Epic New Swift and be a part of a community that's now 3 million strong and counting.

BENEFITS UPTO
₹53 100

3 years
100 000 km
WARRANTY*

*3 years or 100 000 km whichever is earlier.



Z SERIES ENGINE
25.75 km/l
Best-in-Segment Mileage



6 Airbags Standard Across all Variants



SmartPlay Pro+ Infotainment System



Wireless Charger



Rear AC Vent



VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP AND BOOK THE EPIC NEW SWIFT TODAY | CALL 1800 102 1800 | WWW.MARUTISUZUKI.COM/SWIFT

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: RELAN MOTORS: NASIRABAD ROAD: 6376631227. BEANWAR: 9782244068. SARWAR: 9667509515, 9269502259. AJMER AUTO: AJMER: 9314531845/9024967833/9887312019/8302176266. KEKRI: 7412037585. SAWAR: 9829310828. NASIRABAD: 9887272563/7568174107. PEESANGAR: 7412023397. VIJAYNAGAR: 9460964962. KISHANGARH: 7014230025, 7412023372. BHILWARA: CHAMPION CARS: BHILWARA: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. MANDAL KAR: 9602892417. ASINDO: 9602892432. BHATINA AND COMPANY: CHITTORGARH: 9414130799, 9001791753, 9587280999, 9414130799. NIMBAHERA: 9727378667, 9413316799. PRATAPGARH: 9116655219, 9672683999. BEGUN: 9116652801, 9413316299. MANGALWAR: 9414038599. NAGARU: MANGALWAR MOTORS: NAGARU: 9116008626, 9116008630. KUCHAMAN CITY: 9649518518. DHIDWANA: 7231912912. MAKRAANA: 7231913913. LADNU: 7230055912. MERTA: 7230055965. DEGANNA: 9116009562. PARBATSAR: 7230055941.

Creative visualisation. Accessories and features shown may not be part of standard fitment and may vary according to variant. Images used are for illustration purposes only. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Colours shown may vary from actual body colours due to printing on paper. *Fuel efficiency as certified by test agency Rule 115 of CMVR 1989.

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय: पलायथा हाउस, उन्नतपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स: 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स: 0151-2527371, जालौर कार्यालय: - जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोलसिटी कार्यालय: - जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोलसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908